पंजाब केसरी
SUN,08 JUNE 2025
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

द्वितीयक कृषि व्यवसाय में मशरूम उत्पादन महत्वपूर्ण, युवा किसान मशरूम उत्पादन से जुड़ें : संभागीय आयुक्त

बीकानेर, 7 जून (प्रेम) : विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार को पेमासर ग्राम पंचायत में मशरूम उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन विषय पर किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि मशरूम की पोषकता को देखते हुए वर्तमान परिस्थितियों में द्वितीयक कृषि व्यवसाय में मशरूम उत्पादन महत्वपूर्ण है।

कृषि वैज्ञानिक किसानों को मशरूम उत्पादन तकनीक की विस्तार से जानकारी दें और अन्य आवश्यक सहयोग करें। संभागीय आयुक्त ने कहा कि मशरूम उत्पादों के मूल्य संवर्धन व निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जाए।

कुलगुरु डॉ अरुण कुमार ने मशरूम का महत्व बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा मशरूम उत्पादन एवं संवर्धन प्रशिक्षण के लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है।उन्होंने किसानों को विश्वविद्यालय से जुड़ने और इस संबंध में प्रशिक्षण लेने के लिए आमंत्रित किया।

पेमासर में मशरूम उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन कार्यशाला में भाग लेते ग्रामीण। (प्रेम)

डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के मशरूम मैन के नाम जाने माने प्रोफेसर डॉ दयाराम ने किसानों को मशरूम के मूल्य संवर्धन उत्पादों व तकनीक की विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर पेमासर गांव के सरपंच तोलाराम कूकना ने विश्वविद्यालय को यह प्रायोगिक प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इससे पहले कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव, मशरूम उत्पादन इकाई के प्रभारी अधिकारी डॉ दाताराम से शुष्क क्षेत्र में मशरूम उत्पादन पर तकनीकी प्रशिक्षण लेने के लिए ग्रामवासियों को प्रोत्साहित किया।

प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ नीना सरीन, डॉ अशोक कुमार, डॉ सुशील कुमार डॉ अर्जुन लाल यादव, डॉ आर के मीना, डॉ मनमीत कौर सहित अन्य अधिकारी स्टाफ उपस्थित रहे। प्रगतिशील मशरूम कृषक ज्योति स्वामी ने अपने अनुभव साझा किए।

शोभासर, बदरासर एवं भरूपावा में भी शिविर आयोजित

अभियान के तहत शनिवार को शोभासर, बदरासर एवं भरूपावा गांवों में भी किसानों को उन्नत कृषि तकनीकी से जुड़ी जानकारियां दी गई।

इस दौरान केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. आर. के. मीणा ने खजूर, थार शोभा खेजड़ी, बेर एवं अनार जैसी शुष्क क्षेत्रीय बागवानी फसलों,भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र बीकानेर के वैज्ञानिक डॉ. रामलाल जाट ने ग्वार, मोठ एवं मूंगफली की उन्नत किस्मों, पोषण प्रबंधन, बीज शोधन, जल उपयोग दक्षता, कृषि विज्ञान केंद्र, बीकानेर के कीट वैज्ञानिक डॉ. केशव मेहरा ने खरीफ फसलों और कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले कीट तथा बीमारियों के रोकथाम हेतु किसानों को जानकारी प्रदान की। कृषि विभाग, बीकानेर के कृषि अधिकारी रमेश चंद्र भाम्भू ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

पत्रिका

कृषि विश्वविद्यालय की पहल, किसानों को मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

मशरूम उत्पादन बना किसानों की नई उम्मीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत पेमासर ग्राम पंचायत में मशरूम उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मशरूम उत्पादन की तकनीक सिखाना, आय के नए स्रोतों से जोड़ना और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करना रहा। मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि "मशरूम में उच्च पोषक तत्व होते हैं और यह बदलते कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण द्वितीयक कृषि व्यवसाय के रूप में उभर रहा है।" उन्होंने युवाओं को मशरूम उत्पादन से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे आय सृजन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ेगा। संभागीय आयुक्त ने विश्वविद्यालय को मशरूम के मूल्य संवर्धन एवं निर्यात की दिशा में सक्रिय कार्य करने की सलाह दी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और मशरूम मैन के नाम से प्रसिद्ध डॉ. दयाराम ने किसानों को मशरूम के कटलेट, हलवा, पकौड़ा जैसे उत्पाद बनाने का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बीज उत्पादन, कंपोस्ट निर्माण, और मूल्य संवर्धन की तकनीकों को भी विस्तार से समझाया। कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और किसानों को हर संभव तकनीकी सहायता दी जाएगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव और डॉ. दाताराम ने शुष्क क्षेत्रों में मशरूम उत्पादन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए ग्रामवासियों को प्रोत्साहित किया। अभियान के अंतर्गत शोभासर, बदरासर और भरूपावा गांवों में भी किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जुड़ी जानकारियां दी गई। पेमासर के सरपंच तोलाराम कूकना ने आभार जताया और कहा कि ऐसे व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों में कृषि नवाचार को बढ़ावा देने में सहायक हैं।

शिविरों का आयोजन

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में संचालित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शनिवार को बीकानेर पंचायत समिति के शोभासर, बदरासर एवं भरूपावा गांवों में कृषक जागरूकता एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक खेती, सूखा प्रतिरोधी फसलें, कीट एवं रोग प्रबंधन, उद्यानिकी विस्तार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक करना रहा। केंद्रीय शुष्क बागवानी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. आरके मीणा ने खजूर, थार शोभा खेजड़ी, बेर एवं अनार जैसी शुष्क क्षेत्रीय बागवानी फसलों की उन्नत खेती, रोग नियंत्रण, कटिंग विधियां तथा बाजार संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. रामलाल जाट ने ग्वार, मोठ एवं मूंगफली की उन्नत किस्मों, पोषण प्रबंधन, बीज शोधन, जल उपयोग दक्षता तथा समय पर बुवाई जैसे पहलुओं पर किसानों को जागरूक किया। कृषि विज्ञान केंद्र के कीट वैज्ञानिक डॉ. केशव मेहरा ने खरीफ फसलों और कद्दूवर्गीय सब्जियों में लगने वाले कीट तथा बीमारियों के रोकथाम के लिए जानकारी प्रदान की। डॉ. मेहरा ने मूंगफली में लगने वाली गोजा लट के जैविक एवं रासायनिक प्रबंधन की जानकारी दी और किसानों से आग्रह किया कि फसलों में रासायनिक कीटनाशक का प्रयोग अंतिम हथियार के रूप में करें जिससे हम भूमि, जल और प्राकृतिक स्रोतों को प्रदूषित होने से बचा सकें।

08/06/2025 | Bikaner Zila | Page : 11
Source : https://epaper.patrika.com/